

nicht hierher, da mit ÇAT. Br. 14,6,9,34 को न्वेने zu lesen ist. Wie ist aber die folgende Stelle aufzufassen: बाह्यानामनुजायते सैरंध्यां मागयेषु च MBh. 13,2581? — Vgl. अनुज, अनुजात.

— समनु Jmd (acc.) ähnlich geboren werden: पितृन्समनुजायते नरा मातरमङ्गनाः R. 2,35,26.

— अय स. अयजात.

— अपि स. अपिज.

— अमि 1) für Etwas (eine Thätigkeit, Loos u. s. w.) oder für Jmd geboren werden, für Etwas von Geburt an bestimmt sein, durch die Geburt auf Etwas Ansprüche haben; mit dem acc.: स एतद्गार्थ्यमयं यज्ञायत् यदधिकेन्द्रम् TBh. 2,1,2,5. 2,2,4. य इषं स्वरं भिजायत् धृतयः RV. 1,168,2. कृतं लोकं पुरुषो ऽभिजायते ÇAT. Br. 6,2,2,27. आकाशमभिजायते KHAND. Up. 7,12,1. ते चान्द्रमसमेव लोकमभिजायते (अभिजायते?) PRAÇNOP. 1,9. संपदं दैवीमभिजातस्य BHAG. 16,3,4,5. दानमध्ययनम् U. S. W. ब्रह्मनिवाभ्यजायथाः MBh. 12,2856. यदियं कुमार्यभिजाता तदियमिह प्रतिपद्यताम् ÂÇV. GRHJ. 1,5. कामं क्रोधम् U. S. W. भूमिपः । सम्यग्विजते यो वेद स महीमभिजायते MBh. 5,4342. जायमानाभि जायते देवात्सब्राह्मणान्वशा AV. 12,4,10. — 2) geboren werden, entstehen: ते त्तिप्रमेवाभिजासिरे R. 1,16,19. यद्योनावभिजायते M. 2,247. स वै तथा वक्र एवाभ्यजायत् MBh. 3,10608. आकृत्यां रुच्यंज्ञो ऽभ्यजायत BHAG. P. 1,3,12. हृदयाभिजात 5,8,24. ज्ञातस्तेषां यत्र तन्वाभिजातः 3,25,31. तपसा चीयते ब्रह्म ततो ऽन्नमभिजायते । अन्नतप्राणः MUND. Up. 1,1,8. तान्नं कार्क्षायसं चापि तैत्तप्यादिवाम्यजायत R. 1,38,20. कामात्क्रोधो ऽभिजायते BHAG. 2,62. सर्वेषां तत्र भूतानां लोमर्ह्यो ऽभ्यजायत MBh. 8,2927. अभिजात angeboren, ererbt: पञ्चस्य सहस्रम् — पितृपैतामहं बलम् । अभिजातबलं नाम तच्चतुर्बलं स्मृतम् ॥ 8,1357. N. Geburt: अभिजातकोविदाः Nativitätskundige BHAG. P. 1,16,1. — 3) wiedergeboren werden: प्रुचीनां श्रीमतां गेहे योगध्रष्टो ऽभिजायते BHAG. 6,4,1. न स भूयो ऽभिजायते 13,23. अश्विनोस्तीर्थमासाद्य ब्रह्मपवानभिजायते MBh. 3,5087. 13,5149.5511. ते ऽभिजाताः कुरुक्षेत्रे ब्राह्मणाः HARIV. 1293. sich wiedererzeugen: तथाप्यनुदिनं तृष्णा ममैतैश्चभिजायते MBh. 1,3514. — 4) werden: तस्याः स्पृष्ट्वै सलिलं नरः शैलो ऽभिजायते R. 4,44,77. — Vgl. अभिजन, अभिजनित्, अभिजात fg.

— समभि entstehen: ततः कालेन मरुता मतिः समभिजायत । सगरस्याश्रमेधेन पत्न्यमिति R. 1,39,24.

— अय zur Welt bringen: वरं कन्यावजनिता ad Hit. Pr. 12.13.

— आ 1) trans. erzeugen: प्रजामा जनयावहै AV. 14,2,71. Jmd geboren werden lassen: आ नः प्रजां जनयतु प्रजापतिः RV. 10,85,43. fruchtbar machen, durch Zeugung mehren: आ नो जने जनय 1,113,19. — 2) intrans. a) aus einem —, von einem Orte aus geboren werden, — entstehen: अतश्चिदा जनिषीष्ट प्रवृद्धः auf diesem Wege soll er zur Welt geboren werden RV. 4,18,1. दिव आजाता 43,3. 1,179,4. मात्रोः 7,3,9. 5,30,5. 1,83,5. 10,129,6. ÇAT. Br. 12,1,2,3. — b) geboren werden, entstehen: आ ब्राह्मणो जायताम् VS. 22,22. AV. 3,23,2. तस्करा अरण्येष्वजायते ÇAT. Br. 13,2,4,2. AIT. Br. 8,9. ब्राह्मणकल्पस्ते प्रजायामाजनिष्यते 7,29. आ वीरो जायतां पुत्रस्ते दशमास्यः ÂÇV. GRHJ. 1,13. आ वा कुमारस्तरुणा आ वत्सो जायतादिह 2,8. सस्यमिव मर्त्यः पद्यते सस्यमिवाजायते पुनः KATHOP. 1,6. न चेहजायते पुनः M. 2,249. JAGN. 1,50. 3,109. प्रायेण क्षिपता नुत्तुत्तराजायते प्रभोः BHAG. P. 2,10,17. — Vgl. आजनन,

आजाति, आजात fg.

— उदा hervorgehen aus: उद्यत्सकः सहस्रं आजनिष्ट RV. 5,31,3.

— उद् 1) trans. zeugen, hervorbringen: उदुस्त्रिया जनिता यो ज्ञानं RV. 3,1,12. — 2) intrans. geboren werden, entstehen: यतो देवा उद्जायत् विश्वे RV. 4,18,1. उद्मिर्वृत्रहाजनि 1,74,3. 10,55,7. इदं वचः शतसाः संसकृन्मुद्मये जनिषीष्ट (nach Sâj. = उद्जीजनत्) द्विवहः 7,8,6. 10,43,9.

— उप 1) hinzukommen, — treten: वेदं मासो द्वादश । वेदा य उपजायते RV. 1,25,8. शकार उपजायते RV. PRAT. 4,37. ÇĀKĪH. ÇR. 14,22,26. पञ्चमे पञ्चमे वर्षे द्वौ मासावुपजायतः MBh. 4,1608. — 2) geboren werden; entstehen, sich einstellen, zum Vorschein kommen, sich zeigen: उद्मणाश्चोपजायते M. 1,45. अस्मिन्न निर्गुणां गोत्रे अयत्पुपजायते Hit. Pr. 44. तस्य सुवर्चलायां प्रतीक उपजातः BHAG. P. 5,15,3. मुखतस्तालु निर्भिन्नं जिह्वा तत्रोपजायते 2,10,18. यद्वादि किं च जायते ऽस्यां तदुपजायते ÇAT. Br. 2,3,4,9. KAUC. 135. कोषः सुCR. 1,266,16. तथा तथा कुशलता तेषां तेषूपजायते M. 12,73. ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते BHAG. 2,62. देहे ऽस्मिन्नप्रकाश उपजायते । ज्ञानं यदा 14,11. MBh. 2,2590. 3,114. 1293. R. 3,69,5. 6,82,7. PĀNĪKĀT. 1,154. Hit. I,61. BHAG. P. 6,14,2. उपजातमुपलब्धं सह गाण्डिवधन्वना MBh. 9,3482. तत्तणोपजातया प्रतिभया DACAK. in BENF. Chr. 194,15. उपजातविश्वास adj. bei dem sich Vertrauen eingestellt hat Hit. 42,6. °खेद् MRĪKĪH. 157,21. °साधस Rt. 2,9. °क्रोध PRAB. 6,6. — 3) wiedergeboren werden: सर्गे ऽपि नोपजायते BHAG. 14,2. इहैव सा प्रुनी गृधी प्रूकरी चोपजायते JĀGĪ. 3,256. मानुषेषु MBh. 13,6689. — 4) sein: प्रभुवं धनमूलं हि राज्ञामप्युपजायते Hit. I,115. — caus. erzeugen, verursachen: वचनानि कार्पासुखमुपजनयति PRAB. 29,15. — Vgl. उपज, उपजन, उपजा.

— समुप 1) entstehen, sich einstellen, zum Vorschein kommen: मम दुःखमिदं पुत्र भूयः समुपजायते R. 2,75,41. यादृशो ऽयं मम क्रोधो देवात्समुपजायते 3,69,22. समुपजाताभिनिवेशम् PRAB. 67,14. — 2) wiedergeboren werden: स्वर्गे समुपजायते MBh. 13,6722. — caus. erzeugen, verursachen: अतिशयपरुषाभिर्ग्रिध्मिवेद्भेः शिखाभिः समुपजनिततायम् — विन्द्यम् Rt. 2,28.

— निम् hervortreten, zum Vorschein kommen, sich zeigen: (बोधिसत्त्वैः) सर्वबोधिसत्त्वपारमितानिर्जातैः = निर्जात-सर्वपारमितैः, mit Verstellung des partic., wie diese bei ज्ञात [s. d. u. 1, d] ganz gewöhnlich ist) LALIT. ed. Calc. 2,4. RĀG.: perfect in the virtues of pāramitā, Fouc.: tous vraiment parvenus à l'état de Bodhisattvas arrivés à l'autre rive.

— परि dasselbe Verhältniss wie oben bei अधि; z. B. यदार्थधीभ्यः परि जायते विषम् entstehen aus RV. 7,50,3. Nur partic. पुमान्पुंसः परि जातः AV. 6,3,1 (wo viell. richtiger परि जातः betont würde) und अपरि जात nicht fertig, nicht lebensfähig geboren oder todtgeboren ÂÇV. GRHJ. 4,4. सस्येन परिजातः P. 5,2,68; nach dem Sch. = गुणेन संबद्धः.

— प्र 1) geboren werden, entstehen: देवं मनः कुतो अग्निं प्रजातम् RV. 1,164,18. 121,6. 10,62,8. 73,10. अहोरात्रे प्र जायते अन्त्या अन्त्यस्यं रूपयोः AV. 10,8,23. यदस्यां विश्वं भूतमग्निं प्रजायते TS. 2,4,6,1. AV. 7,5,2. 9,3,20. आर्षधयः 11,4,16. 17. ÇAT. Br. 1,9,2,5. 4,5,5,1. पश्चाद्धि योषायै प्रजाः प्रजायते 3,8,4,10. प्रजात AV. 1,34,1. 6,89,1. रेतः सित्तं प्रजायते zu einer Geburt werden ÇAT. Br. 12,4,1,7. — तत्रियाच्छूद्रकन्यायाम् —